RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 099
दि. 07.08.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

'अभी और प्रतिबंध देखने को मिलेंगे', ट्रंप ने दी धमकी, भड़का एमईए,कहा-अविवेकपूर्ण फैसला

टैरिफ कार्ड खेल रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर व्यापार शुल्क बढ़ा दिया है। उसने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का आदेश दिया है। इन अतिरिक्त शुल्कों का मतलब है कि ऑटो पार्ट्स, कपड़ा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे भारतीय निर्यात उत्पादों की लागत बहुत अधिक हो जाएगी। इस्पात, रसायन और फार्मा उद्योग भी इससे प्रभावित होंगे।

ट्रंप के इस कदम पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने बयान जारी कर अमेरिका के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

चीन जाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी, डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर ब्रिक्स मिलकर देगा मुंहतोड़ जवाब

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस आदेश ने वैश्विक आर्थिक रिश्तों में हलचल मचा दी है। जवाबी रणनीति के तौर पर भारत अब अकेले नहीं, बल्कि ब्रिक्स जैसे मजबूत अंतरराष्ट्रीय मंच के जरिए संयुक्त कदम उठाने की तैयारी में है।

इसी कूटनीतिक पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल बाद चीन जा रहे हैं, जहां वो शंघाई सहयोग संगठन समिट में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा अमेरिका को एक ठोस संदेश देने का मंच भी बन सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि वह 'राष्ट्रीय हितों की रक्षा' के लिए जरूरी कदम उठाएगी। ऐसे में ब्रिक्स मंच अब सामूहिक रणनीति के लिए अहम बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगस्त के अंत में चीन के तिआनजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (रउड) समिट में हिस्सा लेने जा रहे हैं। यह उनकी सात साल बाद चीन यात्रा होगी और माना जा रहा है कि यह दौरा भारत-चीन संबंधों को सामान्य करने की दिशा में एक और कदम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, मोदी की इस यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की संभावना है। इस बैठक में एलएसी पर तनाव घटाने, सीधे फ्लाइट्स बहाल करने, बॉर्डर ट्रेड खोलने और लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

हालांकि रिश्तों में नरमी के संकेत हैं, लेकिन भारत की चिंता अभी भी चीन की कई गतिविधियों को लेकर बनी हुई है। जैसे ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम बनाना और मई में भारत-पाक टकराव के दौरान चीन का पाकिस्तान को समर्थन देना।

मोदी के चीन दौरे से पहले जापान जाना तय है, लेकिन वहां के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा पर पार्टी के अंदर से इस्तीफे का दबाव है। फिर भी अगर मुलाकात होती है तो उसमें भारत में जापानी निवेश, इंडो-पैसिफिक में सुरक्षा और व्यापार सहयोग पर चर्चा होगी।

आठ अगस्त को बिहार दौरे पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, दरभंगा में आज लगेगा जॉब कैंप

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में हलचल हो या गवर्नमेंट का कोई बड़ा फैसला। विकास कार्यों की प्रगति हो या जनता से जुड़े अहम कार्यक्रम- बिहार टुडे में आपको सबसे पहले मिलेगा राज्य से जुड़ा हर बड़ा अपडेट। आइए जानते हैं आज 7 अगस्त को क्या-क्या होने वाला है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की हलचल के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 8 अगस्त को पटना आ रहे हैं। अमित शाह के आने का कार्यक्रम पहले 7 अगस्त को तय था लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है। वह दरभंगा होते हुए पुनौराधाम जाएंगे। वे रात करीब 9 बजे पटना एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे और उसी रात बीजेपी नेताओं से बैठक करेंगे।

अमित शाह सीतामढ़ी में आयोजित माता जानकी मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। विधायक मिथिलेश कुमार ने भूमि पूजन को लेकर जनता को अक्षत (चावल) देकर व्यक्तिगत रूप से न्योता दिया है।

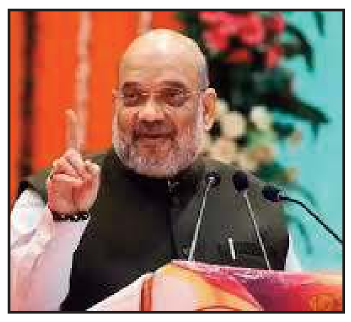

दरभंगा में 30 पदों के लिए नौकरी का मौका

नवा भारत फर्टिलाइजर्स लिमिटेड द्वारा 7 अगस्त को दरभंगा के संयुक्त श्रम भवन, लहेरियासराय में जॉब कैंप का आयोजन किया जाएगा।

यह कैंप निःशुल्क है और चयनित अभ्यर्थियों की पोस्टिंग दरभंगा, समस्तीपुर व मुजफ्फरपुर में होगी।

मुजफ्फरपुर में एक और जॉब कैंप, इस बार 50 पदों पर भर्ती

बेरोजगार युवाओं के लिए एक और अच्छी खबर है। 7 अगस्त को मुजफ्फरपुर के गन्नीपुर स्थित संयुक्त श्रम नियोजनालय भवन में एक दिवसीय जॉब कैंप आयोजित होगा।

यह कैंप बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के अंतर्गत अवर प्रादेशिक नियोजनालय द्वारा आयोजित किया जाएगा। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार पाने का यह एक बेहतरीन अवसर है।

पाकिस्तानी खिलाड़ी ने लगाया भारत पर बॉल टेम्परिंग का आरोप, ओवल टेस्ट की गेंद का लैब टेस्ट कराने की मांग

भारत की तरक्की किसी भी क्षेत्र में हो लेकिन पाकिस्तान को नहीं पचती। क्रिकेट को लेकर भी कुछ ऐसा ही है। हाल ही में पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश में जाकर टी20 सीरीज में पिटाई खाकर आई है लेकिन टीम इंडिया द्वारा ओवल टेस्ट में जीत दर्ज करने से उनको दर्द हुआ है। पाकिस्तान के एक पूर्व क्रिकेटर ने भारत के ऊपर बॉल टेम्परिंग का आरोप लगा दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आकर इस खिलाड़ी ने कुछ अनर्गल बातें कही है। यह क्रिकेटर कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान का पूर्व क्रिकेटर शब्बीर अहमद है।

तुष्टीकरण से सरकार चलाने वाले आज घर के हैं न घाट के: सीएम योगी

मुरादाबाद, 6 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मुरादाबाद में ₹79 करोड़ की लागत से निर्मित अटल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन करते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो लोग तुष्टीकरण की राजनीति कर के सत्ता में आते थे, वे आज घर के हैं न घाट के। ऐसे लोग ना तो समाज के साथ खड़े हो पाए, न ही भविष्य की पीढ़ी के साथ। सीएम योगी ने साफ कहा कि भाजपा की योजनाएं तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण पर आधारित हैं जो बिना भेदभाव के हर व्यक्ति तक पहुंचती हैं। उन्होंने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि एक दौर था जब तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों के लिए सत्ता केवल एक दुकान थी। उन्होंने शिक्षा को नकल,

अराजकता और जातिवाद का अड्डा बना दिया था। लेकिन आज वही लोग संतुष्टीकरण को लेकर परेशान हैं। हमारी सरकार तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण के मार्ग पर चलती है। इसीलिए जनता का विश्वास आज भाजपा के साथ है।

मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद के लोगों को रक्षा बंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और घोषणा की कि 8, 9, 10 अगस्त को प्रदेश की सभी बहनों को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा दी जाएगी।

श्रमिकों के धन की बंद हुई बंदरबांट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा बंधन के पर्व से ठीक पहले इस शिक्षा केंद्र को मुरादाबाद मंडल के बच्चों और श्रमिक परिवारों को समर्पित करते हुए इसे अटल जी की स्मृति को समर्पित आदर्श शिक्षा मंदिर बताया।

पीएम मोदी से अचानक परिवार संग मिलने पहुंचे एकनाथ शिंदे, क्या हैं इस मुलाकात के सियासी मायने?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे। एकनाथ शिंदे के संग उनकी पत्नी और बेटा और बहू भी मौजूद थे। शिंदे ने अपने परिवार संग पीएम मोदी को सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की बड़ी सी फोटो भेंट की। इससे पहले एकनाथ शिंदे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी।

एकनाथ शिंदे बीते एक सप्ताह में दूसरी बार दिल्ली पहुंचे हैं। एकनाथ शिंदे की दिल्ली यात्रा के बाद कई तरह के कयास लगने शुरू हो चुके हैं। शिंदे की पीएम मोदी से ये मुलाकात ऐसे समय में हुई हुई है जब महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय और नगर निगम चुनावों को लेकर राज्य की राजनीति में गहमा-गहमी मची हुई है।

बता दें मुख्यमंत्री शिंदे मंगलवार देर रात नई दिल्ली पहुंचे और बुधवार को उन्होंने पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ महत्वपूर्ण मुलाकात की। इसके बाद पीएम मोदी से मुलाकात की।

शिंदे का एक हफ्ते में यह दूसरा दिल्ली दौरा है। हाल ही में उनके आधी रात को भाजपा के एक वरिष्ठ नेता से मिलने की चर्चा भी थी। इस दौरे में राज्य में होने वाले आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और सरकारी मुद्दों पर चर्चा हुई होगी। याद रहे निकाय चुनाव में सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है, संभावना जताई जा रही है कि निकाय चुनाव में मनचाही सीटों पर शिवसेना लड़ना चाहती है और विरोधी उद्धव ठाकरे की सेना को हराना चाहती है। इसके अतिरिक्त, शिवसेना के चुनाव चिन्ह और पार्टी से संबंधित सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले पर भी बातचीत हुई होगी।

दूसरी ओर, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे बुधवार दोपहर 3 दिल्ली की तीन दिवसीय यात्रा पर पहुंचे हैं। जिसमें वह 'इंडिया' गठबंधन के सभी घटक दलों की संयुक्त बैठक में हिस्सा लेंगे। ठाकरे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पर आयोजित दोपहर के भोजन में भी शामिल होंगे। उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी के सांसदों के साथ संसद सत्र, राज्य के राजनीतिक हालात और आगामी चुनावों के लिए रणनीति पर चर्चा करने के लिए एक अलग बैठक भी करेंगे।

दोनों समूहों के लगभग एक साथ दिल्ली दौरे से महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरणों में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। यह स्पष्ट हो रहा है कि जहाँ शिंदे समूह केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है, वहीं ठाकरे समूह विपक्ष के गठबंधन में अपनी स्थिति को और सशक्त करने की तैयारी में है।

भोजूबीर-सिंधोरा मार्ग से क्यों हटाई गई सैयद बाबा की मजार? जानिए कार्रवाई के पीछे की वजह

भोजूबीर-सिंधोरा मार्ग पर मौजूद सैयद बाबा की मजार को आखिरकार प्रशासन ने हटा दिया है। लोक निर्माण विभाग ने पुलिस बल की मौजूदगी में मजार को हटवाकर सड़क को पूरी तरह समतल करा दिया। यह मजार लंबे समय से सड़क के बीच आकर ट्रैफिक में रुकावट पैदा कर रही थी।

स्थानीय लोगों की मानें तो इस रास्ते पर अक्सर जाम और हादसे होते थे, जिनकी वजह यही अतिक्रमण माना जा रहा था। पहले कई बार मांग उठी, लेकिन कार्रवाई टलती रही। अब प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए मजार हटवा दिया। इससे अब शहर में अन्य स्थानों पर भी अतिक्रमण करने वाले डरे हैं।

नया इतिहास : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के नाम पर बिहार गौरव उद्यान थीम पार्क

(जीएनएस)।

बिहार के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 14.98 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 'देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार गौरव उद्यान' (वेस्ट-टू-वंडर थीम पार्क) का शिलान्यास किया।

इस विशेष अवसर पर उन्होंने देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति को चिरस्थायी रूप देने और इस क्षेत्र के सौंदर्य को बढ़ाने के उद्देश्य से यह थीम पार्क एक महत्वपूर्ण पहल है।

'वेस्ट-टू-वंडर' थीम पार्क में क्या होगा खास?

इस परियोजना से न केवल स्थानीय लोगों को लाभ होगा, बल्कि यह पटना के पर्यटन मानचित्र पर भी एक नई पहचान बनाएगा। नगर विकास एवं आवास विभाग की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत, 10 एकड़ भूमि पर बनने वाला यह पार्क डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल और जेपी गंगा पथ के बीच विकसित किया जा रहा है।

पार्क में निम्नलिखित विशेषताएं शामिल होंगी:

बिहार की महान विभूतियों- आर्यभट्ट, चाणक्य, सम्राट अशोक, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, दशरथ मांझी की प्रेरणादायक गाथाओं को थीम आधारित कला-रूप में दर्शाया जाएगा।

स्थापत्य धरोहरों की झलक- नालंदा, विक्रमशिला, धार्मिक स्तूप, मंदिर और मकबरे पार्क की सजावट और डिजाइन का हिस्सा होंगे।

भव्य स्मृति परिसर- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के वर्तमान समाधि स्थल को भव्य स्मृति परिसर में परिवर्तित किया जाएगा।

पर्यटन सुविधा- खाने-पीने के आधुनिक स्टॉल, बच्चों के लिए खेल मैदान और आराम के लिए आधुनिक सुविधाएं मौजूद रहेंगी।

समारोह में जुटा बिहार का नेतृत्व

कार्यक्रम के दौरान एक विशेष वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से पार्क की संरचना और कल्पना को प्रस्तुत किया गया।

जेल से निकलते ही अनंत सिंह ने सीएम नीतीश के लिए कर दी बड़ी भविष्यवाणी, क्या कहा?

बिहार की सियासत में 'छोटे सरकार' नाम से मशहूर पूर्व विधायक अनंत सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पटना हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद मंगलवार को वे जेल से रिहा हो गए। जेल से बाहर आते ही अनंत सिंह ने अपने चिर-परिचित अंदाज में मीडिया से बात की और विरोधियों पर सीधा हमला बोला। खास बात यह रही कि उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की और कहा कि नीतीश जी अभी 25 साल और मुख्यमंत्री रहेंगे। यह बयान ऐसे समय में आया है जब बिहार में सियासी हलचल तेज है।

'रामायण' का असली बजट सुन अच्छे-अच्छे मेकर्स साध लेंगे चुप्पी, नमित की फिल्म का खर्च जान थर्रा जाएगा हॉलीवुड

(जीएनएस)।

रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म'रामायण' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बनने जा रही है। इस फिल्म की मेकिंग में मेकर्स पानी की तरह पैसा बहाने के लिए तैयार हैं। क्योंकि वो इस फिल्म को बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में दिल खोलकर खर्च किया जा रहा है। फिल्म का एस्टिमेट बजट पहले 835 करोड़ रुपये था। लेकिन बाद में खबर आई कि 4000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस तरह यह भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बन जाएगी। इन सबके बीच फिल्म के प्रोड्यूसर और अकेडमी अवॉर्ड विनर नमित मल्होत्रा का एक बयान सामने आया है। जिसके बाद सब चौंक गए हैं।

ट्रेड एक्सपर्ट कोमल नाहटा ने फरीदून शहरयार के पॉडकास्ट में नमित मल्होत्रा की रामायण से जुड़ी कुछ बातें बताई। इसमें उन्होंने कहा, "मैंने नमित से पूछा कि 'रामायण' का बजट वाकई में 4000 करोड़ रुपये है? वो मेरा सवाल सुनकर दुखी हो गए, फिर बोले, मैं बिल्कुल भी बजट कैल्कुलेट नहीं कर रहा। मैं बस इसे अपनी पूरी शिद्दत से बनाना चाहता हूं। भारत भी ऐसी कहानी कह सकता है। एक भारतीय ऐसी फिल्म बना सकता है। मैं इस चीज को दुनिया को दिखाना चाहता हूं। इसके लिए मैं कुल बजट का तीन गुना तक लगाने को भी तैयार हूं। कोमल की ये बात सुनकर ऐसा लग रहा है कि नमित फिल्म पर 12000 करोड़ रुपये खर्च करने को तैयार हैं।

नमित इस फिल्म को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से 30 से 50 भाषाओं में रिलीज करने की प्लानिंग में हैं। इस प्रोजेक्ट से म्यूजिक के लिए हान्स जिमर और एआर रहमान जुड़े हैं। बतौर प्रौड्यूसर नमित के साथ हॉलीवुड की 'ओपनहाइमर' और 'बैटमैन ट्रिलजी' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुके चार्ल्स रोवेन ने हाथ मिलाया है।

सम्पादकीय

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष चुनौती देने की तैयारी में लगा

उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक गहमागहमी शुरू हो गई है। संसद के हालांकि दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के दलीय समीकरण में सत्तारूढ़ राजग के पास अपने उम्मीदवार को जीताने के लिए पर्याप्त संख्या तो है पर फिर भी लगता है कि इस बार यह चुनाव आसान नहीं होगा। विपक्ष चुनौती देने की तैयारी में लगा हुआ है। बेशक, विपक्ष चुनौती तो दे सकता है पर बिना बड़ी सेंध के उलटपेर करने की स्थिति में नहीं लगता। पर राजनीति अनिश्चिताओं का खेल है वुछ भी हो सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उपराष्ट्रपति के चुनाव में पार्टी लाइन पर कोई व्हिप जारी नहीं होगा। सांसदों को अपनी आत्मा के अनुसार वोट करने का अधिकार होता है। इसीलिए ऐसे चुनावों में व्रास वोटिंग का बड़ा खतरा रहता है। पहले बात करते हैं सत्ता पक्ष की। भाजपा और उनके सहयोगी दलों की। भाजपा चाहेगी कि उपराष्ट्रपति पद के लिए ऐसा उम्मीदवार चुना जाए जो उनका समर्थक हो और सरकार की लाइन पर चले। यह काम श्री जगदीश धनखड़ ने शुरू-शुरू में बाखूबी किया था।

यह और बात है कि उनका अंत अच्छा नहीं हुआ। उधर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहती है कि जो भी उम्मीदवार हो वो संघ की पसंद व समर्थक हो।

वह सरकार की लाइन पर चलने वाला नहीं हो। एक नेता ने कहा कि पिछली बार जब धनखड़ को उपराष्ट्रपति बनाया गया था उस वक्त भी संघ परिवार में इसे लेकर चर्चा थी। इस बार लगभग सभी मान रहे हैं कि संघ अपनी विचारधारा को समझने वाला उम्मीदवार ही चाहता है। दक्षिण भारत की सियासी पार्टियां चाहती हैं कि जब राष्ट्रपति उत्तर से है तो कम से कम उपराष्ट्रपति तो दक्षिण भारत का हो। इससे देश में एकता आएगी। वहीं यह जानते हुए कि भाजपा का पलड़ा भारी है फिर भी कांग्रेस और इंडिया गठबंधन एक साझा उम्मीदवार उतारने की रणनीति पर काम कर रहा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 7 अगस्त को डिनर पर विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के नेताओं के साथ मंथन करेंगे। सूत्रों का कहना है कि योजना बिहार या आंध्र प्रदेश के किसी नेता को उम्मीदवार बनाने की है जिससे भाजपा के दो सबसे बड़े सहयोगियों टीडीपी और जदयू को असमंजस में डाला जा सके। चुनाव के बहाने कांग्रेस की नजर विपक्षी एकता कायम कर शक्ति प्रदर्शन करने की और एनडीए को असमंजस में डालने पर है।

दरअसल, भाजपा अपने दम पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं है। उसे हर हाल में अपने सबसे बड़े सहयोगियों जदयू-टीडीपी का समर्थन चाहिए।

कांग्रेस के रणनीतिकार मानते हैं कि अगर विपक्ष का उम्मीदवार आंध्र प्रदेश या बिहार से हुआ तो क्षेत्रीय भावानाओं के साथ संतुलन बैठाने के लिए नीतीश वुमार और चंद्रबाबू नायडू उलझन में पड़ जाएंगे। आंध्र प्रदेश के ही वाईएसआरसीपी जिनके राज्यसभा में 7 सदस्य हैं, विपक्ष के साथ आ सकते हैं। अगर इस चुनाव में एक भी सहयोगी दल टूटता है तो राजग में पूट का संदेश जाएगा। कहा तो यह भी जा रहा है कि भाजपा में भी इस मुद्दे पर एका नहीं है। संघ से जुड़े विचारधारा वाले भाजपा सांसद संघ के कहने पर अगर उम्मीदवार उन पर भाजपा हाई कमान द्वारा थोपा गया तो वह व्रास वोटिंग भी कर सकते हैं। हालांकि मेरी राय में यह मुश्किल होगा पर राजनीति में वुछ भी दावे से नहीं कहा जा सकता? ये किसी से छिपा नहीं कि भाजपा के अंदर एक तबका ऐसा भी है जो जिस तरह से जगदीप धनखड़ को अपमानित करके हटाया गया उससे वे खुश नहीं हैं। सरकार से इस समय कांग्रेस के जिस तरह के रिश्ते हैं उसे देखकर लगता नहीं कि विपक्ष सरकार के उम्मीदवार का समर्थन करेगा। कांग्रेस के साथ सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के रिश्ते बहुत बिगड़े हुए हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ से कांग्रेस की कथित नजदीकियों को लेकर जिस तरह की कहानियां बनाई गईं उससे भी भाजपा खुश नहीं है। सूत्रों का कहना है कि विपक्ष (इंडिया गठबंधन) उपराष्ट्रपति पद के लिए किसी ओबीसी या मुस्लिम नाम पर भी विचार कर रहा है।

वर्ष 2024-25 में गुजरात की 246 से अधिक हैंडलूम को-ऑपरेटिव सोसाइटियों ने 290 करोड़ रुपए से अधिक के हैंडलूम प्रोडक्ट्स की बिक्री की

गुजरात सरकार की पैकेज योजना अंतर्गत हैंडलूम उत्पादों की बिक्री पर हैंडलूम सहकारी मंडलियों को मिलती है 5 प्रतिशत बिक्री पर मुआवजा सहायता, महिला सहकारी मंडलियों को 15 प्रतिशत बिक्री पर मुआवजा सहायता

हथकरघा के बुनकरों को संबल देने तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने परिवर्तनकारी योजनाएँ लागू की हैं

गांधीनगर, 06 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के हथकरघा बुनकरों की कारीगरी तथा उनकी समृद्ध विरासत को संबल-सहयोग देकर उनका आर्थिक उत्थान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ लागू की गई हैं। हैंडलूम सोसाइटियों के उत्थान के निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में गुजरात सरकार के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा पैकेज स्कीम क्रियान्वित है। यह पहल सहकारिता अधिनियम अंतर्गत पंजीकृत औद्योगिक सहकारी मंडलियों को संबल-सहयोग देती है। इसके अंतर्गत हैंडलूम प्रोडक्ट्स यानी हथकरघा उत्पादों की बिक्री पर मुआवजा सहायता दी जाती है। वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इस योजना अंतर्गत राज्य की 246 से अधिक हैंडलूम को-ऑपरेटिव सोसाइटियों (हथकरघा सहकारी मंडलियों) ने लाभ प्राप्त किया है। इसके फलस्वरूप 290 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के हैंडलूम प्रोडक्ट्स की बिक्री हुई है। यह दशार्ता है कि गुजरात में हैंडलूम सेक्टर का निरंतर विकास हो रहा है।

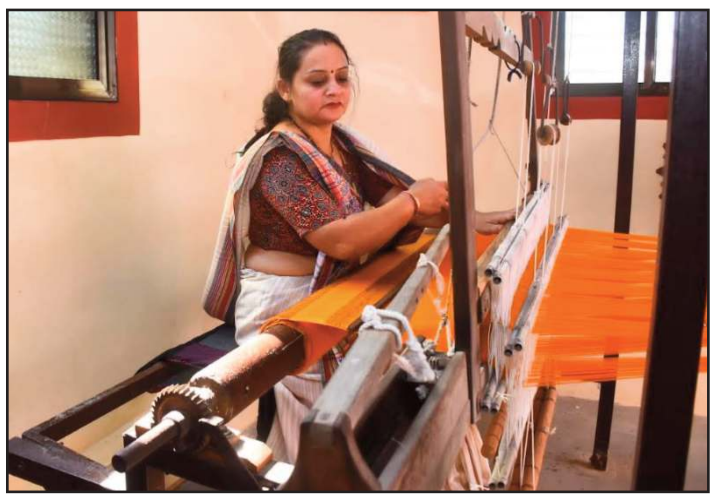

उल्लेखनीय है कि हथकरघा बुनकरों का सम्मान करने तथा भारत में हथकरघा उद्योग को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2015 से 7 अगस्त को ह्यनेशनल हैंडलूम डेह्ल यानी ह्यराष्ट्रीय हथकरघा दिवसह्लके रूप में घोषित किया है। यह दिवस हथकरघा के सांस्कृतिक, परंपरागत एवं आर्थिक महत्व को उजागर करता है। प्रधानमंत्री ने कहा है, ह्लसरकार उसके बुनकरों को विश्व का सबसे बड़ा बाजार प्रदान करने के लिए स्पष्ट रणनीति के साथ कार्य कर रही है ह्व

पैकेज स्कीम अंतर्गत हैंडलूम सोसाइटियों को हैंडलूम उत्पादों की बिक्री पर मिलती है मुआवजा सहायता

त्योहारों के दौरान हथकरघा पर उत्पादित होने वाली वस्तुओं की बिक्री बढ़ाने तथा उन्हें बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए गुजरात सरकार द्वारा रिबेट (पैकेज) स्कीम लागू की गई है। हथकरघा उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक एवं सुलभता बढ़ाने के लिए इस योजना अंतर्गत गुजरात सरकार हथकरघा सहकारी मंडलियों द्वारा की जाने वाली बिक्री पर मुआवजा सहायता देती है।

हथकरघा सहकारी मंडलियों को हथकरघा के उत्पादों की बिक्री पर 5 प्रतिशत मुआवजा सहायता मिलती है, जबकि महिला सहकारी मंडलियों को बिक्री पर 15 प्रतिशत मुआवजा सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त; महिला सहकारी मंडलियों के लिए वार्षिक 120 दिन की समयावधि के लिए बिक्री पर 15 प्रतिशत व 20 प्रतिशत की विशेष मुआवजा सहायता दी जाती है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के इन प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2024-25 में 246 से अधिक हथकरघा सहकारी मंडलियों ने 290 करोड़ रुपए से अधिक के हथकरघा उत्पादों की बिक्री की है। इस बिक्री पर राज्य सरकार द्वारा इन सहकारी मंडलियों को 73.82 करोड़ रुपए की मुआवजा सहायता दी गई है, जो हथकरघा बुनकरों के उत्थान की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दशार्ता है।

हथकरघा बुनकरों को संबल-सहयोग देने के लिए गुजरात सरकार की परिवर्तनकारी योजनाएँ

गुजरात सरकार ने हथकरघा बुनकरों को संबल-सहयोग देने, गुणवत्तायुक्त उत्पादन सुनिश्चित करने, बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता सुधारने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए परिवर्तनकारी योजनाएँ लागू की हैं। इन योजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :

हथकरघा की शीर्षस्थ संस्थाओं को विज्ञापन एवं प्रचार के लिए सहायता :

इस योजना अंतर्गत राज्य की शीर्षस्थ हथकरघा संस्थाओं तथा गुजरात राज्य हथकरघा एवं हस्तकला विकास निगम को गुजरात राज्य एवं राज्य से बाहर प्रदर्शनियों में भाग लेने और विज्ञापनों एवं प्रचार-प्रसार करने के लिए सहायता दी जाती है। शीर्षस्थ संस्थाओं को राज्य में प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए 70,000 रुपए तक तथा राज्य से बाहर प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए 1,50,000 रुपए तक की सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त; उन्हें विज्ञापनों के लिए वार्षिक 1,00,000 रुपए तथा मेलों व प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए 25,000 रुपए की अतिरिक्त सहायता मिलती है। यह योजना हथकरघा उत्पादों प्रोत्साहन देती है और बुनकरों के रोजगार को गति देती है।

मिल गेट प्राइस स्कीम :-

यह योजना सुनिश्चित करती है कि बुनकर उच्च गुणवत्तायुक्त प्रोडक्ट्स का उत्पादन करें, बाजार मूल्य में वृद्धि करें तथा बुनकरों के लिए अधिक रोजगार का सृजन हो। इस योजना अंतर्गत राज्य के मान्यता प्राप्त डिपो के माध्यम से खरीदे गए गुणवत्तायुक्तयार्न (सूत) पर 15 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है।

बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण

राज्य सरकार के गुजरात राज्य हथकरघा एवं हस्तकला विकास निगम द्वारा बुनकरों के कौशल विकास के लिए बुनकरों को अल्पकालिक व दीर्घकालिक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें प्रति प्रशिक्षु 4500 रुपए मासिक स्टाइपेंड भी दिया जाता है। मूल्यवर्धित उत्पाद, डिजाइन तथा प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए निगम द्वारा वीवर्स सर्विस सेंटर, एनआईडी तथा एनआईएफटी (निफ्ट) के साथ सहयोग किया जाता है, जिससे हथकरघा उत्पाद मिलों एवं पावरलूम्स के उत्पादों के समक्ष बाजार की प्रतिस्पर्धा में टिके रहें।

इसके अतिरिक्त; हथकरघा उत्पादों की दृश्यता बढ़ाने के लिए व्यापक विपणन (मार्केटिंग) प्रयास भी किए जाते हैं। इनमें होर्डिंग्स, कियोस्क, वॉल पेंटिंग्स, रोड शो, फैशन शो आदि द्वारा प्रचार-प्रसार शामिल हैं। हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग गुजरात के भीतर व बाहर ह्यगरवी-गुर्जरीह्ल ब्रैंड द्वारा ई-कॉमर्स तथा एम्पोरिया चेन द्वारा किया जाता है। इतना ही नहीं; इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन कॉटेज (इंडेक्स्ट-सी) द्वारा आयोजित विभिन्न प्रदर्शनियों तथा एक्सपो के माध्यम से हथकरघा उत्पादों की पहुँच को अधिक विस्तृत किया जाता है।

'वाक्य प्रतियोगिता': अगस्त क्रांति दिवस के उपलक्ष्य में इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2025 —

अगस्त क्रांति दिवस, जो सन 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत का दिन है, के उपलक्ष्य में, हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति एवं अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान (अक्रए) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के सहयोग से 6 अगस्त, 2025 को 'वाक्य प्रतियोगिता' नामक एक विचारोत्तेजक अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित था।

प्रतियोगिता के विषय, '1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में युवाओं की भूमिका' ने छात्रों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में युवा स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर गहन विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में माननीया लोकसभा सांसद और राष्ट्रमंडल महिला सांसद समिति की अध्यक्षा श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी मुख्य अतिथि रहीं। उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व कैबिनेट मंत्री और पूर्व संसद सदस्या प्रो. रीता बहुगुणा जोशी विशिष्ट अतिथि रहीं, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने समारोह की अध्यक्षता की। हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति, उत्तर प्रदेश के सचिव देव वर्मा भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई। कार्यक्रम में सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता हेमवती नंदन बहुगुणा के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर एक लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री राजेश मेहता, पूर्व अध्यक्ष, गवर्निंग बॉडी, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और श्री राजेश गोयल, अध्यक्ष, अखिल भारतीय शिक्षा सोसायटी (अक्रए) भी शामिल रहे। यह प्रतियोगिता अक्रए द्वारा आयोजित भाषिक विषयक कार्यक्रमों की राष्ट्रीय श्रृंखला का तीसरा संस्करण था, जिसके पिछले सत्र संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में आयोजित किए गए थे।

अपने मुख्य भाषण में, श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी ने भारत छोड़ो आंदोलन की स्थायी प्रासंगिकता पर विचार प्रकट किए और स्वतंत्रता तथा आत्मनिर्भरता के मूल्यों पर जोर दिया जो आज भी भारत के युवाओं में गूंजते हैं। उन्होंने कहा, "यह स्थायी विरासत न केवल स्वतंत्रता सेनानियों को बल्कि उन हजारों गुमनाम नायकों को भी सम्मानित करती है जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी कहानियाँ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी।"

विशिष्ट अतिथि प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं और युवाओं की भूमिका पर एक प्रभावशाली भाषण दिया। अपने पिता, हेमवती नंदन बहुगुणा के दूरदर्शी नेतृत्व को याद करते हुए, उन्होंने क्रांति की परिवर्तनकारी प्रकृति और पूर्ण स्वराज की खोज के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "जब समृद्धि और खुशहाली होगी, तो स्वराज भारत के हर घर तक पहुँचेगा और पूरे देश को सशक्त बनाएगा।" इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देने वाली शिक्षा के प्रति महाविद्यालय की निरंतर प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने अतीत को आज के युवाओं की आकांक्षाओं से जोड़ते हुए भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया।

इस प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के 17 से अधिक महाविद्यालयों से कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्र वक्ताओं ने स्पष्ट और भावपूर्ण भाषणों की प्रस्तुति दी, जिनमें ऐतिहासिक अंतर्दृष्टि, समकालीन प्रासंगिकता और वाक्पटुता की उत्कृष्टता झलकती थी। एक छात्रा ने स्वतंत्रता को "1942 के युवाओं के खून, पसीने और आँसुओं से हस्ताक्षरित एक खाली चेक" के रूप में वर्णित किया। अन्य ने विकसित भारत के मार्ग के बारे में बात की और इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्रता एक अधिकार है, न कि एक अनुरोध।

यह कार्यक्रम देशभक्ति के जोश, युवा दृढ़ संकल्प और भारत की लंबी और निरंतर लोकतांत्रिक यात्रा की जीवित स्मृति के साथ संपन्न हुआ।

राजनीति से अदालत तकः भाजपा की पूर्व प्रवक्ता आरती साठे बनीं जज, पहले कौन- कौन से राजनीतिज्ञ बन चुके हैं जज?

(जीएनएस)।

बॉम्बे हाईकोर्ट में न्यायाधीश पद पर भाजपा की पूर्व प्रवक्ता आरती सेठी की नियुक्ति को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मच गई है। विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा अधिवक्ता आरती अरुण साठे को बॉम्बे हाई कोर्ट का जज नियुक्त करने की सिफारिश पर आपत्ति जताई है। कॉलेजियम ने 28 जुलाई को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि न्यायपालिका, जो कभी लोकतंत्र की प्रहरी थी, अब राजनीतिक संरक्षण का रंगमंच बनती जा रही है।

कांग्रेस ने जहां इस नियुक्ति को "न्यायिक अखंडता के लिए मौत" करार दिया हैं और टीएमसी ने कहा जब जज का पद कानूनी कौशल के बजाय पार्टी के प्रति निष्ठा का पुरस्कार बन जाए, तो न्यायिक अखंडता का क्या होगा? वहीं एनसीपी (एसपी) ने इस नियुक्ति को लोकतंत्र पर बड़ा हमला बताया और कहा जब सार्वजनिक मंच पर सत्ताधारी दल का पक्ष रखने वाली व्यक्ति को जज बनाना न्याय की पूरी प्रक्रिया पर संदेह पैदा करता है और संविधान द्वारा दी गई शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को कमजोर करता है।

हालांकि ये पहली बार नहीं हैं कि जब राजनीतिक बैकग्राउंड वाले शख्स को न्यायिक पद पर नियुक्त किया गया है। पूर्व के कई ऐसे उदाहरण मिलते हैं, अब तक कई राजनेता, मंत्री समेत राजनीतिक दलों के पदाधिकारी न्यायाधीश नियुक्त किए जा चुके हैं। जानिए आरती साठे से पहले कौन-कौन से राजनीतिक नियुक्त किए जा चुके हैं न्यायाधीश?

जस्टिस विक्टोरिया गौरी

फरवरी 2023 में एडवोकेट विक्टोरिया गौरी को मद्रास हाई कोर्ट का एडिशनल जज नियुक्त किया गया। गौरी की नियुक्ति के बाद भी ऐसे ही भाजपा से उनके ताल् लुक होने पर सवाल उठे थे। गौरी ने तब मदुरै में असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल के रूप में काम किया था। हालांकि आरोपों से घिरने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया था कि सितंबर 2020 में पदभार ग्रहण करने से लगभग तीन महीने पहले, उन्होंने बीजेपी के सभी पदों और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

जस्टिस के.एस. हेगड़े

1935 में जस्टिस के.एस. हेगड़े भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए। 1952 में दो साल के कार्यकाल के लिए और 1954 में छह साल के कार्यकाल के लिए राज्यसभा के लिए चुने गए। 1966 में दिल्ली हाई कोर्ट की स्थापना के समय जस्टिस पहले चीफ जस्टिस नियुक्त किए गए थे। अगस्त 1957 में, उन्होंने मैसूर हाई कोर्ट के जज बनने के लिए राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया। 1966 में दिल्ली हाई कोर्ट की स्थापना के समय वे इसके पहले चीफ जस्टिस बने। 1967 में हेगड़े को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया अप्रैल 1973 में उनके अतिक्रमण के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

जज वी.आर. कृष्ण अय्यर

सुप्रीम कोर्ट के जज वी.आर. कृष्ण अय्यर मद्रास और बाद में केरल विधानसभा के लिए तीन बार चुने गए और 1965 तक सक्रिय राजनीतिज्ञ रहे। 1956 में, अय्यर कम्युनिस्ट पार्टी के समर्थन से एक निर्दलीय विधायक के रूप में मद्रास विधानसभा के लिए चुने गए। राज्यों के पुनर्गठन के बाद, वे केरल विधानसभा के लिए चुने गए होम मिनिस्ट्री समेत अन्य विभागों का मंत्री नियुक्त किया गया। 1968 में उन्हें केरल हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया गया। 1971 से 1973 तक वे विधि आयोग के सदस्य रहे और 1973 में भारत के सुप्रीम कोर्ट के जज बने। 1999 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

जस्टिस बहारुल इस्लाम

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रह चुके हैं उन्होंने 1972 में, राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया और उसी साल तत्कालीन असम और नागालैंड हाई कोर्ट के जज नियुक्त किए गए।राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। जस्टिस बहारुल इस्लाम ने 1951 में असम हाई कोर्ट में एक वकील के रूप में शुरूआत की। आठ साल बाद, वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। कांग्रेस ने उन्हें 1962 में पहली बार और 1968 में दूसरी बार राज्यसभा भेजा, 7 जुलाई, 1979 को वे गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बने और 1 मार्च, 1980 को रिटायर हुए। कुछ महीनों बाद, उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया। 4 दिसंबर 1980 को पदभार संभाला और 1 मार्च 1983 को रिटायर होने वाले थे। जनवरी 1983 में, अपने कार्यकाल के समाप्त होने से दो महीने पहले, इस्लाम ने असम के बारपेटा से कांग्रेस (आई) के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट के जज के पद से इस्तीफा दे दिया।

जस्टिस आफताब आलम

जस्टिस आफताब आलम पटना हाई कोर्ट में अपनी पहली नियुक्ति से कुछ साल पहले तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य थे। 27 जुलाई, 1990: पटना हाईकोर्टट जज, 6 जून 2007 : जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट में स्थानांतरण कर कार्यवाहक चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया। सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत, 12 नवंबर 2007 को पद ग्रहण किया।

जस्टिस एस. रत्नावेल पांडियन

जस्टिस एस. रत्नावेल पांडियन ने कुछ समय तक डीएमके में काम किया।

1962 में अंबासमुद्रम से विधानसभा चुनाव लड़ा और हार गए।

नौ साल बाद, वे चेरनमहादेवी चुनाव लड़े और हार गए और राजनीति को अलविदा कह दिया ।

उस समय रत्नावेल पांडियन अविभाजित तिरुनेलवेली जिले के डीएमके सचिव थे।

अगस्त 1971 में उन्हें मद्रास हाई कोर्ट में राज्य लोक अभियोजक नियुक्त

फरवरी 1974 में उसी हाई कोर्ट के जज के रूप में पदोन्नत होने तक वे इस पद पर रहे।

रत्नावेल पांडियन कुछ समय के लिए कार्यवाहक एडवोकेट जनरल भी रहे।

1974 में उन्हें मद्रास हाई कोर्ट का जज नियुक् त हुए।

1988 से 1994 तक वे सुप्रीम कोर्ट में जज रहे।

एफ.आई. रेबेलो

1996 में बॉम्बे हाई कोर्ट के जज नियुक्त होने से पहले एफ.आई. रेबेलोगोवा में जनता पार्टी के विधायक थे।

2010-11 में वे इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बने।

जस्टिस पी.बी. सावंत

जस्टिस पी.बी. सावंत वकील के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान महाराष्ट्र में किसान एवं श्रमिक पार्टी के सदस्य थे।

1973 में,बॉम्बे हाई कोर्ट का जज नियुक्त हुए थे।

1989 से 1995 तक, भारत के सुप्रीम कोर्ट के जज का पद संभाला।

एचडीएफसी बैंक ने नागरिकों को एपीके धोखाधड़ी से सावधान रहने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया

मुंबई, : भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को एपीके (एंड्रॉइड पैकेज किट) धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य ग्राहकों की सुरक्षा के लिए ऐसी धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। एपीके घोटाले में धोखेबाज आमतौर पर बैंक कर्मचारियों या सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करके सोशल इंजीनियरिंग रणनीति का इस्तेमाल करते हैं। इसमें संदेश प्राप्तकर्ता को एक फजी एपीके फाइल प्राप्त होती है जो विश्वसनीय स्रोतों से होने का दावा करती है। जब कोई व्यक्ति इन फाइलों को इंस्टॉल करता है तो धोखेबाज उनके फोन पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लेता है। फिर धोखेबाज कॉल और टेक्स्ट संदेशों को किसी अन्य डिवाइस पर रीडायरेक्ट कर सकता है और पीड़ितों के फोन से डेटा चुरा सकता है। धोखेबाज पीड़ित के बैंक खाते(खातों) तक भी पहुँच सकते हैं और उनकी सहमति के बिना लेनदेन कर सकते हैं। यह घोटाला कैसे काम करता हैः धोखेबाज फोन कॉल, ईमेल या संदेशों के जरिए ग्राहकों से संपर्क करते हैं और दावा करते हैं कि वे बैंक से हैं और उनका केवाईसी तुरंत अपडेट करना जरूरी है। वे ग्राहकों में जल्दबाजी की भावना और खाते के ब्लॉक होने का डर पैदा करते हैं। इसके बाद धोखेबाज बैंक के लोगो वाले फजी एपीके लिंक शेयर करते हैं और ग्राहकों से इसे इंस्टॉल करने के लिए कहते हैं। इंस्टॉल होने के बाद, ऐप उन्हें व्यक्ति का खाता नंबर, क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी या ओटीपी जैसी संवेदनशील जानकारी दर्ज करने के लिए कहता है, जिन्हें तुरंत चुरा लिया जाता है और धोखाधड़ी वाले लेनदेन के लिए उनका दुरुपयोग किया जाता है। ख. धोखेबाज परिवहन प्राधिकरण (आरटीओ) का रूप धारण करके लंबित ई-चालान से संबंधित फजी संदेश और ईमेल भी भेज सकते हैं। इन संदेशों में दुर्भावनापूर्ण एपीके लिंक होते हैं और क्लिक करने पर पीड़ित के फोन से छेड़छाड़ की जा सकती है। एपीके धोखाधड़ी से खुद को बचाने के सुझाव - ड्ट सोशल मीडिया, एसएमएस या ईमेल के जरिए प्राप्त संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें या ऐसे ऐप्स/फाइलें इंस्टॉल न करें जो आरटीओ, आयकर विभाग या बैंक अधिकारियों जैसी संस्थाओं से होने का दावा करते हों। ड्ट सुनिश्चित करें कि आपके डिवाइस में विश्वसनीय एंटीवायरस या एंटी-मैलवेयर सॉफ़्टवेयर हो जो हानिकारक फाइलों का पता लगा सके और उन्हें ब्लॉक कर सके। ड्ट किसी अनजान व्यक्ति के कॉल रिक्वेस्ट पर थर्ड-पार्टी ऐप्स डाउनलोड न करें। केवल विश्वसनीय स्रोतों या आधिकारिक वेबसाइटों से ही ऐप्स डाउनलोड करें। ड्ट संबंधित आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से संदेश/ईमेल की वैधता की पुष्टि करें। ड्ट धोखाधड़ी/संदिग्ध कॉल, संदेशों की रिपोर्ट चक्षु पोर्टल पर या संचार साथी मोबाइल ऐप के माध्यम से करें। एचडीएफसी बैंक ग्राहकों से 'डिजिटल गिरफ्तारी' धोखाधड़ी जैसे घोटालों से भी सतर्क रहने का आग्रह करता है, जहाँ धोखेबाज कानून प्रवर्तन या सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करते हैं और पीड़ितों को कथित कर चोरी, नियामक उल्लंघनों, वित्तीय कदाचार आदि जैसे कारणों से डिजिटल गिरफ्तारी वारंट की धमकी देते हैं। आमतौर पर देखी जाने वाली अन्य धोखाधड़ी में निवेश घोटाले शामिल हैं, जहाँ धोखेबाज नकली स्वचालित निवेश प्लेटफार्मों के माध्यम से और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचारित शेयरों, आईपीओ, क्रिप्टोकरेंसी आदि में निवेश पर असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करते हैं। धोखेबाज जीटीएच - लालच, धमकी और मदद पद्धति का उपयोग करके धोखाधड़ी को जारी रखने के लिए पीड़ितों की भावनाओं को निशाना बनाते हैं। ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होने की स्थिति में पीड़ित को तुरंत बैंक को अनधिकृत लेनदेन की सूचना देनी चाहिए।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

सेंट्रल रेलवे की कुछ ट्रेनें रहेंगी रद्द, कुछ रूट पर रहेगा डायवर्जन

(जीएनएस)।

मुंबई लोकल ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। सेंट्रल रेलवे ने वाशी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य सिग्नल नियंत्रण को बेहतर बनाना है। जिसके चलते 7अगस्त से 8 अगस्त तक कई लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी। कुछ ट्रेनें रद्द की जाएंगी, जबकि अन्य के समय में बदलाव होगा या वे निर्धारित स्टेशनों से पहले समाप्त हो जाएंगी।

वाशी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के कारण आज से रात्रि मेगाब्लॉक लागू किया जाएगा। मुंबई में हार्बर रेलवे लाइन पर यात्रा करने वाले यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

इस मेगाब्लॉक के दौरान, प्रतिदिन रात 10:45 बजे से सुबह 3:45 बजे

तक अप और डाउन दोनों लाइनों पर विशेष सेवाएं बाधित रहेंगी। इस दौरान अप और डाउन दोनों लाइनों पर काम किया जाएगा। कार्य के कारण कई लोकल ट्रेनों के रूट और समय में बदलाव किया गया है।इसका मुख्य प्रभाव वाशी और पनवेल के बीच लोकल ट्रेन सेवाओं पर पड़ेगा, जो इस अवधि में पूरी तरह से बंद रहेंगी।

कुछ ट्रेनें निर्धारित स्टेशनों तक ही चलेंगी, जबकि कई सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। जैसे , बेलापुर से रात 8:54 बजे सीएसएमटी जाने वाली लोकल ट्रेन वाशी तक ही जाएगी, और रात 9:16 बजे की बेलापुर-सीएसएमटी लोकल वडाला रोड तक ही चलेगी।

इसी तरह, बांद्रा से सीएसएमटी के लिए रात 10:00 बजे चलने वाली लोकल को वडाला रोड पर रोक दिया जाएगा। पनवेल से रात 10:55 बजे और 11:32 बजे वाशी के लिए छूटने वाली लोकल ट्रेनें नेरुल तक ही संचालित होंगी।

ब्लॉक के कारण, वाशी से सुबह 4:03, 4:15, 4:25, 4:37, 4:50 और 5:04 बजे छूटने वाली अप लोकल सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। सीएसएमटी से रात 9:50, 10:14 और 10:30 बजे छूटने वाली डाउन लोकल सेवाएं भी रद्द रहेंगी।

यात्रियों से असुविधा से बचने के लिए यात्रा योजना बनाने से पहले संशोधित समय-सारिणी की जांच करने का अनुरोध किया गया है। यह ब्लॉक वाशी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) सिस्टम के कमीशनिंग के लिए आवश्यक है।

मुंबईः गोरेगांव में 27 करोड़ में बना फ्लाईओवर 6 साल में तोड़ने की तैयारी, बीएमसी के फैसले से लोगों में आक्रोश

(जीएनएस)।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने गोरेगांव पश्चिम स्थित वीर सावरकर फ्लाईओवर को तोड़ने और नए सिरे से बनाने की योजना बनाई है, (आज तक के रिपोर्ट के अनुसार) लेकिन ये प्लानिंग स्थानीय निवासियों को रास नहीं आ रही है.ये फ्लाईओवर 2018 में 27 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ था और तब से इलाके में ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक कम हुई है.अब BMC का कहना है कि ये फ्लाईओवर मुंबई कोस्टल रोड परियोजना के दूसरे चरण के रास्ते में आ रहा है, इसलिए इसे ध्वस्त करना जरूरी है.

मलाड पश्चिम से कांग्रेस विधायक असलम शेख ने BMC के इस कदम को लेकर नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि ये जनता के पैसे की बबार्दी है. लगता है कि सरकार चुनाव से पहले BMC के फंड से जितना पैसा निकाल सकती है, निकालना चाहती है. इस पुल को तोड़ने से ट्रैफिक और

बढ़ेगा. BMC को इस निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिए और विकल्प तलाशने चाहिए.

वहीं, ALM माइंडस्पेस मलाड के अध्यक्ष शहजाद रुस्तमजी ने भी इसे एक गलत कदम बताया. उन्होंने कहा कि अगर यह फ्लाईओवर तोड़ा गया, तो हाईवे तक पहुंचने में 45 मिनट या उससे ज्यादा लगेंगे. इससे रियल एस्टेट की कीमतें और स्थानीय व्यापार प्रभावित होंगे. बीएमसी को इस फैसले पर दोबारा सोचने की जरूरत है.

क्यों जरूरी है फ्लाईओवर को तोड़ना?

BMC का तर्क है कि यह फ्लाईओवर मुंबई कोस्टल रोड के फेज-2 और गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड (GMLR) के प्रस्तावित जुड़ाव के आड़े आ रहा है. अधिकारियों का कहना है कि जब यह फ्लाईओवर बनाया गया था, तब कोस्टल रोड योजना अस्तित्व में नहीं थी. अब नए ट्रैफिक नेटवर्क को देखते हुए डबल-डेकर फ्लाईओवर का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जो माइंडस्पेस और डिंडोशी को जोड़ेगा.

क्या है मौजूदा स्थिति?

फिलहाल यह फ्लाईओवर वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (हएल) से गोरेगांव और मालाड को सीधे जोड़ता है, और यात्रा समय 45 मिनट से घटकर 10 मिनट हो गया है. इसके टूटने से पश्चिमी उपनगरों में भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन सकती है. इटउ के अनुसार किसी भी नवनिर्मित पुल की संरचनात्मक उम्र कम से कम 20

ईमानदार और शिक्षित समाजसेवियों को मंच देने की पहल – लखनऊ में हुई विशेष बैठक

लखनऊ, 6 अगस्तः

PECT कार्यालय, 114 इंसाफ नगर, पानीगांव, इंदिरा नगर लखनऊ में आज पुराने ढरढछ साथियों की एक अहम बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक का आयोजन जनाब मोहम्मद जर्रार हुसैन के आह्वान पर किया गया, जिसकी अध्यक्षता जनाब मुर्तजा अली ने की।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में ईमानदार, शिक्षित, और दीनी सोच रखने वाले लोगों को एक सशक्त मंच प्रदान किया जाएगा। संस्था का उद्देश्य ऐसे लोगों को आगे लाना है, जो सच्चे मन से समाज की सेवा करना चाहते हैं।बैठक में शामिल प्रमुख व्यक्तित्वों में जनाब आमिर खालिद खान, रवि कुमार अजय, यासिर हयात, मोहम्मद सईक सिद्दीकी, सैय्यद साबिर, मोहम्मद ताज,

शोएब चौधरी, मुमताज राईनी, रब्बानी, पीसी कुरील, और सुभाष गौतम आदि शामिल रहे।

इस अवसर पर एक चार सदस्यीय चयन समिति का गठन भी किया गया है, जो उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 30 सक्रिय एवं योग्य प्रतिनिधियों का चयन करेगी।

चयन समिति के सदस्य श्री आमिर खालिद खान ,श्री मोहम्मद जर्रार, श्री यासिर हयात , श्री रवि कुमार संस्था में जुड़ने के इच्छुक लोग निम्नलिखित संपर्क नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:

📞 9984907988, 9452560342, 8795837676, 991820032

यह पहल उन लोगों के लिए एक आशा की किरण है, जो बिना दिखावे के समाज और राष्ट्र के लिए सकारात्मक भूमिका निभाना चाहते हैं।

जन्नत जुबैर, ऐक्टर इनामुलहक, रीवा अरोड़ा सहित कई हस्तियों की उपस्थिति में जेवेदा (ZEVEDA) ऑर्गेनिक्स स्किनकेयर प्रोडक्ट लॉन्च

मुम्बई.. मुम्बई में एक भव्य समारोह में कई हस्तियों की उपस्थिति में जेवेदा `एशएऊअ ऑर्गेनिक्स स्किनकेयर प्रोडक्ट लॉन्च किया गया. इस मौके पर जन्नत जुबैर, ऐक्टर इनामुलहक, रीवा अरोड़ा, गायक अल्तमश फरीदी, शादाब फरीदी, दिलीप सेन, निर्देशक अभिषेक दुधैया, संगीतकार राशिद खान, मॉडल स्मिता गोंडकर ऐक्टर क्ल्ला'ंील्ली१ भरत मदान, हीरा मंडी लेखक मोइन बेग, अभिनेत्री भूमिका कलीता, क्ल्ला'ंील्ली१ रजी शेख सहित कई हस्तियां मौजूद थीं. सहारनपुर उत्तरप्रदेश से आए गेस्ट ऑफ ऑनर थे हजरत सूफी चांद मियां साहब. जेवेदा के एमडी उमर खान हैं जबकि कंपनी के डायरेक्टर हैं गौरव खेतरपाल, अजय कुमार गांधी. पद्मश्री उस्ताद गुलफाम अहमद साहब ने यहां लाइव परफॉर्म किया. सभी मेहमानों का स्वागत और सम्मान किया गया.

महमूद अली, डॉन सिनेमा के संस्थापक ने इस कार्यक्रम को होस्ट किया. त्वचा की देखभाल करने के मामले में जेवेदा के प्रोडक्ट एक नई उम्मीद, एक नई चमक लेकर आए हैं. यह एक खूबसूरत शाम बन गई. इस स्किनकेयर प्रोडक्ट के लॉन्च पर हजरत सूफी चांद मियां साहब ने ढेरों दुआएं दीं. जेवेदा के एमडी उमर खान ने कहा कि आज जेवेदा सौंदर्य और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नए सफर की शुरूआत कर रहा है। हमें खुशी है कि आप सभी इसका हिस्सा बन रहे हैं. मुम्बई जैसे व्यस्त शहर मे सभी मेहमानों और मीडिया वालों ने हमारे कार्यक्रम के लिए समय निकाला सभी का शुक्रिया. जेवेदा के ऑफिशियल प्रमोशन वीडियो में खूबसूरत, युवाओं की आइकॉन और सोशल मीडिया सनसनी जन्नत जुबैर रहमानी हैं. कंपनी के डायरेक्टर गौरव खेतरपाल ने कहा कि जेवेदा स्किनकेयर लॉन्च इवेंट को यादगार बनाने के लिए हमारे सभी खास मेहमानों, हमारे मीडिया वालों का धन्यवाद।`एशएऊअ आपकी त्वचा की प्राकृतिक और खूबसूरती से देखभाल करने के लिए मौजूद है।

झाड़ियों में मिला अज्ञात बच्चे का शव, इलाके में सनसनी

(जीएनएस)।

बिजनौर।

थाना नजीबाबाद क्षेत्र की कछियाना बस्ती उस समय दहशत और सन्नाटे में डूब गई, जब वहां झाड़ियों के बीच एक अज्ञात बच्चे का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। शव की हालत देखकर ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिस पर उपनिरीक्षक अनीस खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन बच्चे की शिनाख्त नहीं हो सकी। शव की हालत बेहद खराब थी, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यह एक सप्ताह पुराना हो सकता है।

पुलिस का मानना है कि शव संभवतः मालन नदी में बहकर आया और पानी उतरने के बाद झाड़ियों में फंस गया। मृतक की उम्र करीब 10 से 12 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और शिनाख्त की कोशिशें जारी हैं। पुलिस ने सभी थानों को सूचना भेज दी है और आसपास के गांवों में लापता बच्चों की जानकारी जुटाई जा रही है।

आज सूरज नहीं देखेगा शंकरलाल'–धमकी देकर निकला आरएसी जवान, लेबर इंस्पेक्टर की दिनदहाड़े हत्या

(जीएनएस)।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में सनसनीखेज वारदात में लेबर इंस्पेक्टर शंकरलाल बलाई की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर कोई और नहीं, बल्कि दिल्ली में तैनात राजस्थान सशस्त्र पुलिस (RAC) का सिपाही अजय कटारिया था। इस घटना ने राज्यभर में खलबली मचा दी है। आरोपी ने खुद ही पुलिस थाने में जाकर सरेंडर कर दिया। बुधवार को आरोपी से पुलिस पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। परिजनों ने बगरू अस्पताल में धरना देकर प्रदर्शन किया।

हैरान करने वाली बात ये है कि इस वारदात से कुछ घंटे पहले ही आरोपी अजय ने जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में सिपाही पद पर कार्यरत अपनी पूर्व मंगेतर को फोन कर धमकी दी थी। बोला-"मैं दिल्ली से 50 कारतूस लेकर निकला हूं, शंकरलाल आज सूरज नहीं देखेगा।" मगर युवती ने सोचा कि यह अजय की एक और गुस्से में कही गई बात है, और उसने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

कैसे अंजाम दी गई वारदात?

जयपुर पुलिस के मुताबिक, फ्अउ जवान अजय कटारिया सोमवार को दिल्ली स्थित अपनी बटालियन से ड्यूटी खत्म होते ही सरकारी SLR (Self Loading Rifle) और 50 राउंड कारतूस लेकर एक बैग में छुपा जयपुर रवाना हुआ। मंगलवार तड़के सिंधी कैंप बस स्टैंड पहुंचा, ऑफलाइन टैक्सी बुक की और बगरू में शंकरलाल के घर की ओर बढ़ गया।

सुबह करीब 6:30 बजे जब शंकरलाल अपने घर के बाहर नीम की दातून से दांत साफ कर रहे थे, तब आरोपी पहले से वहां मौजूद था। दोनों में बहस हुई और अचानक अजय ने राइफल निकाल ली। शंकरलाल जान बचाने के लिए खाली प्लॉट की ओर भागे, लेकिन अजय ने दौड़ते हुए उनकी पीठ, गर्दन और जांघ में गोलियां दाग दीं। घटना के बाद आसपास के लोग और मृतक की पत्नी सरोज मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक शंकरलाल की मौत हो चुकी थी।

सगाई टूटने की रंजिश में मर्डर

जयपुर पुलिस जांच में सामने आया है कि अजय की सगाई उसी महिला सिपाही से हुई थी, जिसे उसने वारदात से पहले फोन किया था। सगाई करीब सात महीने पहले हुई थी, लेकिन बाद में अजय को शक हुआ कि युवती के किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध हैं। इसी शक के चलते अजय ने रिश्ता तोड़ दिया।

अजय को ये भी शक था कि शंकरलाल को इस संबंध की जानकारी थी और उसने युवती का साथ दिया, जिससे गुस्से में आकर उसने जान लेने की ठानी। आरोपी ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि शादी को लेकर मानसिक दबाव में था और इसी वजह से उसने यह कदम उठाया।

'पिता-बेटी जैसे संबंध' का भ्रम बना हत्याकांड की वजह?

इस केस में नया मोड़ तब आया जब सामने आया कि शंकरलाल और युवती का संबंध 'पिता-बेटी' जैसा था। दरअसल, शंकरलाल अपने दूर के रिश्तेदार पूरण मल के बच्चों की परवरिश कर रहे थे, जिनमें एक लड़की की सगाई अजय से हुई थी। बताया जा रहा है कि अजय द्वारा सगाई तोड़ने के बाद पूरण मल भी नाराज था और उसने अजय को शंकरलाल के खिलाफ भड़काया। वारदात से एक दिन पहले अजय ने शंकरलाल की बेटी को भी फोन कर धमकी दी थी कि वह अगली सुबह "कुछ बड़ा करने वाला है।"

सवालों के घेरे में पुलिस तंत्र

इस वारदात ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ड्यूटी के बाद सरकारी हथियार कैसे साथ ले जा सका सिपाही? धमकी मिलने के बावजूद महिला सिपाही ने इसकी सूचना क्यों नहीं दी? 50 कारतूस और सर्विस राइफल लेकर दिल्ली से जयपुर पहुंच रहे सिपाही को रास्ते में किसी ने क्यों नहीं रोका?

पुलिस जांच जारी, आरोपी ने किया सरेंडर

वारदात को अंजाम देने के बाद अजय फरार हो गया लेकिन कुछ ही घंटों में उसने फुलेरा थाने में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर हत्या, अवैध हथियार प्रयोग और साजिश के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद वाटिका इन्फोटेक सिटी इलाके में दहशत का माहौल है और सोसायटी में रहने वाले लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आए।

उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान लखनऊ इकाई की नई कार्यकारिणी की बैठक आर0 के0 चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित की गयी

उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान जनपदीय ईकाई लखनऊ की मीटिंग आर0 के0 चतुर्वेदी, पुलिस महानिरीक्षक,से0नि0 की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। मीटिंग में कार्यकारणी समिति के अलावा 10 अन्य पेंशनर्स ने प्रतिभाग किया। व अपनी-अपनी व्यक्तिगत समस्याओं से अवगत कराया।

अतः उनके प्रार्थना पत्र लेकर सम्बंधित को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजे जाने के लिये आश्वस्त किया गया।

वर्तमान में चिकित्सा प्रतिपूर्ति की अधिकांश पत्रावलियां पुलिस आयुक्त, लखनऊ कार्यालय में लंबित हैं, अतः उनके यथा शीघ्र निस्तारण के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय से आये हुए लिपिक को निर्देशित किया गया और यह भी निर्देश दिए गए कि जो भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति सम्बंधित पत्रावलियां निस्तारित हो जायें उनके आदेश की एक प्रति इस कार्यालय को उपलब्ध करा दी जाये। पत्रावलियों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिस आयुक्त लखनऊ एवं पुलिस उपायुक्त मुख्यालय लखनऊ से दूरभाष पर वार्ता कर एक अभियान चलाकर निस्तारण कराने हेतु अनुरोध भी किया गया है ।

बिजनौर में बाढ़ का संकट, डीएम ने खुद संभाली कमान

(जीएनएस)।

बिजनौर।

जिले में मालन नदी के जलस्तर में वृद्धि और यूसुफपुर बखर तटबंध के ओवरटॉप होने के कारण कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर प्रशासन ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि तटबंध से पानी गुजरने के कारण ग्राम धारूवाला, खजानपुर खादर, काजी वाला, नसरूल्लापुर हफीज, मधुसूदनपुर मसीद, बाकरपुर गढ़ी और रावली जैसे कई गांव जलभराव की चपेट में आ गए हैं। इन गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिससे ग्रामीणों में चिंता का माहौल है।

प्रशासन ने तुरंत एक्शन लेते हुए यूसुफपुर बखर तटबंध पर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड अफजलगढ़ की निगरानी में युद्ध स्तर पर मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया है। जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि शीघ्र ही इन गांवों से जलभराव की समस्या समाप्त कर ली जाएगी।

बचाव कार्यों को गति देने के लिए जिले की सभी तहसीलों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विशेष टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। जहां-जहां पानी पहुंचा है, वहां राहत सामग्री, नाव और मेडिकल टीमों को तैनात किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग को भी पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी प्रकार की महामारी की आशंका से निपटा जा सके।

जिलाधिकारी ने बिजनौर शहरी क्षेत्र का दौरा कर सफाई व्यवस्था की भी समीक्षा की और अधिशासी अधिकारी को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त के साथ व्यापारियों की बैठक, अवैध ई रिक्शा पर लगे अंकुश ट्रैफिक व्यवस्था हो बेहतर संदीप बंसल

(जीएनएस)।

लखनऊ- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के लखनऊ के कोर कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी की बैठक लखनऊ कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर के साथ संपन्न हुई ।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार संदीप बंसल ने पुलिस आयुक्त से लखनऊ के सभी थानों में व्यापारियों को समुचित सम्मान दिए जाने व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की प्रत्येक माह बैठक सुनिश्चित किए जाने प्रमुख बाजारों एवं सराफा

के बाजारों में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाए जाने लखनऊ में चल रहे अवैध ई-रिक्शा को बाहर किए जाने और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त किए जाने की मांग की

बंसल ने स्वच्छ स्वस्थ पर्यावरण युक्त लखनऊ बनाने के लिए एक बार हटे हुए अतिक्रमण को दोबारा ना लगाया जाए उसके लिए संबंधित थाने के अधिकारियों को जिम्मेदारी दिए जाने और ट्रैफिक व्यवस्था को ठीक किए जाने के लिए लखनऊ के समस्त व्यापारियों के साथ एक बैठक किए जाने का सुझाव दिया ।

पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर ने संगठन द्वारा दिए गए ज्ञापन को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए सभी विषयों पर अपनी सहमति जताई और ई-रिक्शा सहित अतिक्रमण के बिंदुओं पर ठोस कार्यवाही करने का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए संगठन के साथ अति शीघ्र एक बैठक आयोजित की जाएगी।

पुलिस आयुक्त के साथ आयोजित बैठक में उपस्थित रहने वाले प्रमुख पदाधिकारी मे संगठन के राष्ट्रीय मंत्री एवं सराफा एसोसिएशन के मंत्री प्रदीप अग्रवाल, लखनऊ महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा के प्रदेश महामंत्री आकाश गौतम, वरिष्ठ महामंत्री राजीव कक्कड़, युवा महानगर अध्यक्ष अश्वन वर्मा, अनुज गौतम, दीपेश गुप्ता, डॉ रितेश श्रीवास्तव, संजयनिधि अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्तिथ रहें।

सुरेश छाबलानी अध्यक्ष

पत्ते तोड़ते समय खड्डे में गिरा किशोर, पानी में डूबने से मौत

(जीएनएस)।

बिजनौर।

नगीना थाना क्षेत्र के ग्राम अलीपुरा जट में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोर की पानी में डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान अकबराबाद रोड निवासी अनिल वाल्मीकि के पुत्र आशीष के रूप में हुई है, जो सुबह बकरी के लिए पत्ते तोड़ने खेत की ओर गया था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पत्ते तोड़ते समय आशीष का पैर फिसलकर पास के गहरे पानी भरे खड्डे में चला गया, जिससे वह डूब गया। हादसे की खबर मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। आशीष के डूबने की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और दर्जनों ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए।

स्थानीय तैराक रिजवान समेत अन्य ग्रामीणों ने तत्काल खोजबीन शुरू की। करीब तीन घंटे की मेहनत के बाद आशीष का शव पानी से बाहर निकाला जा सका। मौके पर पहुंची पुलिस टीम में क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी और थाना प्रभारी तेजपाल सिंह ने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की।

इस हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से खड्डों की साफ-सफाई और सुरक्षा के इंतजामों की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

शासन की मंशा हर योजना को ठोस परिणामों तक पहुंचाने की : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद बरेली में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ विकास कार्यां की मण्डलीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने नाथ कॉरिडोर परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरेली मण्डल में इण्टर स्टेट कनेक्टिविटी को बेहतर करने की आवश्यकता वाले सभी कार्यों को जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा के आधार पर पहले चरण की कार्ययोजना में शामिल किया जाए। लोक निर्माण विभाग से सम्बन्धित कार्यां में तेजी लायी जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सबकी जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अधिकारीगण किसी भी परियोजना के प्रस्ताव से पहले जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श अवश्य करें तथा उनके अनुभवों और क्षेत्रीय इनपुट्स को नीति निर्धारण का आधार बनायें। केवल योजनाएं बनाना ही हमारा लक्ष्य नहीं होना चाहिये। उनका समयबद्ध और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। शासन की मंशा हर योजना को ठोस परिणामों तक पहुंचाने की है। कार्यां में तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करें। उन्होंने नगर विकास विभाग को निर्देशित किया गया कि किसी भी परियोजना का प्रस्ताव तैयार करने से पहले स्थानीय जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन अनिवार्य रूप से लिया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधिगण जनोपयोगी कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता दें। वह अपने क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यों की सतत निगरानी करें और स्थानीय जनभावनाओं के अनुरूप योजनाओं को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित विकास कार्यां से अवगत कराया गया। इनमें ब्लॉक मुख्यालय की सड़कें, अन्य सड़कें, धार्मिक स्थलों तक पहुंच मार्ग, रोड सेफ्टी उपाय, बाईपास, अण्डरपास, आर0ओ0बी0, फ्लाईओवर, सेतु, लघु सेतु, सिंचाई से सम्बन्धित विभिन्न कार्य शामिल हैं। इन कार्यां से क्षेत्र की भौगोलिक चुनौतियां दूर होंगी तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य को रायबरेली में क्यों पड़ा थप्पड़? जानें कितनी बार चख चुके हैं पिटाई का स्वाद?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की सियासत में स्वामी प्रसाद मौर्य का नाम किसी तूफान से कम नहीं। वे यूपी की राजनीति के चर्चित पिछड़े वर्ग (OBC) के नेता माने जाते हैं। मौर्य का राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव और दल-बदल से भरा रहा है। कभी बहुजन समाज पार्टी (BSP) के 'हाथी' पर बैठकर विधायक बने, तो कभी समाजवादी पार्टी (SP) की साइकिल पर सवार होकर अखिलेश यादव के सिपहसालार बने।

अब अपनी पार्टी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (RSSP) बनाकर यूपी की सियासत में ताल ठोकने में मशरूफ हैं। लेकिन, उनकी इस ताल में थप्पड़ की गूंज और जूतों की बारिश साफ नजर आ रही है। अब सवाल उठता हैं क्यों पिट रहे हैं स्वामी प्रसाद मौर्य?

रायबरेली में थप्पड़ कांडः क्या हुआ?

6 अगस्त 2025 को रायबरेली के मिलएरिया थाना क्षेत्र के सारस चौराहे पर स्वामी प्रसाद मौर्य का स्वागत चल रहा था। लखनऊ से फतेहपुर जाते समय वह समर्थकों से मिलने रुके थे। फूल-मालाओं के बीच दो युवक भीड़ में घुसे और माला पहनाने की आड़ में एक ने मौर्य के सिर पर पीछे से थप्पड़ मारा। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई।

गुस्साए समर्थकों ने दोनों युवकों को दौड़ाकर पकड़ा और लात-घूंसों से पीट दिया। इस मारपीट में इंस्पेक्टर अजय राय की वर्दी तक खून से रंग गई। पुलिस ने हमलावरों को हिरासत में लिया, लेकिन मौर्य के समर्थकों का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ। मौर्य ने इसे सियासी साजिश करार देते हुए योगी सरकार पर तंज कसा। उन्होंने करणी सेना पर हमले का आरोप लगाया। कहा कि यह कानून-व्यवस्था की नाकामी है।

क्यों निशाने पर हैं स्वामी प्रसाद मौर्य?

मौर्य का बेबाक अंदाज और विवादास्पद बयान उन्हें सियासत में सुर्खियों में रखते हैं। उनके रामचरितमानस और हिंदू धर्म पर बयानों ने कई संगठनों, खासकर करणी सेना और सवर्ण समूहों को नाराज किया। मौर्य ने रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों को 'पिछड़ों और दलितों के खिलाफ' बताया था, जिसके बाद से उन पर हमले बढ़ गए। उनकी नई पार्टी फररढ, जो डइउ, दलित, और अल्पसंख्यकों की आवाज उठाने का दावा करती है, ने भी सियासी विरोधियों को चौकन्ना कर दिया।

मौर्य ने इस हमले को करणी सेना से जोड़ा, लेकिन पुलिस अभी जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, हमलावरों का स्थानीय स्तर पर कुछ संगठनों से कनेक्शन हो सकता है। मौर्य की बढ़ती सियासी सक्रियता और 2024 में रढ छोड़कर फररढ बनाने का फैसला भी इस हमले की वजह माना जा रहा है।

जूते-थप्पड़ का पुराना रिकॉर्ड

स्वामी प्रसाद मौर्य का विवादों और हमलों से पुराना नाता है।

21 अगस्त 2023 (लखनऊ): इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रढ के डइउ महासम्मेलन में आकाश सैनी नाम के युवक ने वकील की वेशभूषा में मौर्य पर जूता फेंका। मौर्य बाल-बाल बचे, और हमलावर को समर्थकों ने पकड़ लिया।

4 मई 2024 (आगरा): रढ छोड़ने के बाद आगरा में एक जनसभा के दौरान मौर्य पर जूतों की बारिश हुई। समर्थकों ने हमलावर को पकड़कर पीटा, और पुलिस को पिस्टल निकालकर भीड़ को नियंत्रित करना पड़ा।

यौन शोषण में मथुरा के डिप्टी कमिश्नर कमलेश पांडेय समेत सात अधिकारी निलंबित

मथुरा (जीएनएस)। राज्य कर विभाग (मथुरा) में तैनात डिप्टी कमिश्नर कमलेश कुमार पांडेय पर अधीनस्थ महिला अधिकारी ने यौन शोषण और अनैतिक व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए थे। जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर संयुक्त आयुक्त, बांदा कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है। इस मामले की जांच आंतरिक परिवाद समिति (विशाखा) को सौंपी गई थी, लेकिन समिति पर आरोप हैं कि उसने आरोपी अधिकारी को बचाने का प्रयास किया और अपनी जिम्मेदारियों का पालन नहीं किया। इसके चलते समिति के छह सदस्यों को भी निलंबित कर दिया गया है। इनमें सहायक आयुक्त कोमल छाबड़ा (सचल दल इकाई-2, मथुरा), उपायुक्त प्रतिभा (विशेष अनुसंधान शाखा, मथुरा), सहायक आयुक्त पूजा गौतम (राज्य कर खंड-2, मथुरा), उपायुक्त संजीव कुमार (राज्य कर खंड-5, मथुरा), राज्य कर अधिकारी सुनीता देवी (खंड-3, मथुरा)

और उपायुक्त वीरेन्द्र कुमार (खंड-3, मथुरा) शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों के खिलाफ जांच के लिए राज्य कर विभाग ने विशेष सचिव कृतिका ज्योत्सना को जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

जर्जर हो चुकी आजाद मार्केट में नगर निगम प्रशासन कर रहा हादसे का इंतजार : पार्षद ने जल्द मरम्मत कराने के नगर आयुक्त को सौंपा पत्र

मथुरा (जीएनएस)। नगर निगम मथुरा-वृंदावन वार्ड नंबर 31 के पार्षद एवं नेता पार्षद दल समाजवादी पार्टी मुन्ना मलिक ने नगर आयुक्त से आजाद मार्केट, डीगगेट में जर्जर हो चुकीं दुकान और सड़क को ठीक कराने की मांग की है। जर्जर दुकान और टूटी सड़क से स्थानीय दुकानदारों और ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डीगगेट स्थित आजाद मार्केट के प्रथम तल पर आने वाले 2 झीने भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा घटित हो सकता है। इसी के साथ मार्केट की सड़क, खरंजा भी पूर्ण रूप से उखड़ चुके हैं, जिससे स्थानीय दुकानदारों और ग्राहकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण कई व्यक्ति चोटिल भी हो चुके हैं। बताते चलें कि वर्ष 2005 में मार्केट निर्माण होने के बाद कोई मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है। पूर्व की बोर्ड बैठक में भी आजाद मार्केट का मुद्दा पार्षद मुन्ना मलिक ने उठाते हुए कहा था कि वहां पानी की भी कोई सुविधा नहीं है। उन्होंने नगर आयुक्त से मांग करते हुए कहा कि मार्केट में मरम्मत का कार्य अतिशीघ्र कराया जाना आवश्यक है। पार्षद मुन्ना मलिक ने कहा कि आजाद मार्केट डीगगेट के निकट नगर पालिका द्वारा करीब दो दशक पूर्व बनायी गई थी। कहा कि आजाद मार्केट इस समय अव्यवस्थाओं के कारण बदहाल स्थिति में हैं। मार्केट का दो मंजिला भवन जर्जर हालत में पहुंच गया है। मार्केट में सड़क के नाम पर सिर्फ और सिर्फ गड्ढे ही नजर आ रहे हैं। दुकानें जर्जर हो चुकी हैं और इसमें कारोबार करने में व्यापारियों को हर समय हादसे का डर लगा रहता है। भूतल और पहली मंजिल मिलाकर मार्केट में 144 दुकानें हैं। इन दुकानों में हर प्रकार की दुकानें हैं, जिनमें होल सेल, रिटेल, कबाड़, डॉक्टर, अधिवक्ताओं के कार्यालय, गिलेट की पायजेव, भगवान की पोशाक, मूर्तियां और तस्वीरें आदि बिकती हैं। डीगगेट पुलिस चौकी के निकट दरेसी रोड़ पर नगर पालिका का भैंसा गोदाम था। शहर के बीचों-बीच होने के कारण वर्ष 2004 में भैंसा गोदाम को खत्म करके नगर पालिका ने यहां मार्केट बना दी और उसका नाम आजाद मार्केट रखा था। आजाद मार्केट की दुकानों को नगर पालिका ने लीज पर दिया था। मार्केट का रख रखाव नगर पालिका ने अपने हाथ में रखा है। पार्षद ने कहा कि कुछ समय तक तो वहां व्यवस्थाएं दुरूस्त रहीं लेकिन धीरे-धीरे आजाद मार्केट सरकारी अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ गई। बेहतर रख रखाव न होने के कारण आजाद मार्केट की दुकानें जर्जर हो गई हैं। वर्तमान में आजाद मार्केट का भवन पूरी तरहा से जर्जर हालत में पहुंच चुका है। यहां कारोबार करने वालों का कहना है कि वह लोग हर समय मौत के साए में बैठे रहते हैं। कई दुकानों की छतों के लेंटर गिर चुके हैं और जो बचे हैं उनका प्लास्टर भी धीरे धीरे गिर रहा है। मार्केट की पहली मंजिल पर जाने वाले झीने भी जर्जर हो चुके हैं। मार्केट का रख-रखाव नगर निगम के पास ह लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बताया कि अधिकारी निरीक्षण के लिए आते हैं और आश्वासन देकर चले जाते हैं। मार्केट की सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई है, लेकिन किसी का ध्यान इस ओर नहीं है। उन्होंने कहा कि बारिश में पूरी मार्केट नरक बन जाती है। मार्केट की सभी दुकान बरसात में टपकती है। इसी के साथ नाली और सीवर के चोक होने से बरसात का पानी मार्केट में भर जाता है। यह पानी कई दिन तक भरा रहता है। पार्षद मुन्ना मलिक द्वारा बतायी गईं समस्याओं का नगर आयुक्त जग प्रवेश ने जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया है।

हवन पूजन के साथ किया गया संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ : ज्ञान विज्ञान की भाषा है देववाणी संस्कृत भाषा

मथुरा (जीएनएस)। श्रावण पूर्णिमा पर विश्व संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मथुरा द्वारा संस्कृत सप्ताह का आयोजन आज से आगामी 12 अगस्त तक किया जाएगा। जिसका शुभारंभ केशव भवन सरस्वती कुंड पर वैदिक विधि-विधान से हवन पूजन करके किया गया। इस अवसर पर संस्कृत भारती ब्रजप्रांत न्यास अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा विश्व की सबसे प्राचीन भाषा है और संस्कृत भाषा में विश्व की सभी भाषाएं समाहित हैं, इसलिए वैज्ञानिकों ने संस्कृत भाषा को सर्वश्रेष्ठ भाषा के रुप में स्वीकार किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक पारस जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति सभ्यता और संस्कारों की जननी है। संस्कृत भाषा वर्तमान में युवा पीढ़ी को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। संस्कृत भाषा का अभ्यास बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम में संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मंत्री धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल एवं विभाग संयोजक श्यामसुंदर शर्मा ने संस्कृत भारती के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने कहा कि वर्ष 1969 में भारत की तत्कालीन केन्द्र सरकार ने श्रावण पूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। कहा कि आज विश्व के अनेक देशों में संस्कृत दिवस मनाया जाता है और संस्कृत भाषा को ज्ञान व विज्ञान की भाषा के रुप में स्वीकार किया जा रहा है। इसलिए वर्तमान में विश्व संस्कृत दिवस मनाया जाता है। वहीं ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वरनाथ चतुर्वेदी के नेतृत्व में आचार्य महावीर प्रसाद चतुर्वेदी और ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक चतुर्वेदी आदि वैदिक विद्वानों द्वारा स्वस्तिवाचन, हवन यज्ञ, पूजन वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मथुरा महानगर कार्यवाह विजय अग्रवाल बंटा, अखिल, अनिल मित्तल, हरस्वरुप यादव, संदीप चौधरी, विष्णु, रामजीलाल, श्यामबाबू, जगदीश राजपूत, साहित्याचार्य शरद, मनोज, मनीष पाठक शास्त्री, प्रेमचंद, तरुण नागर और पंकज आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्येय मंत्र से किया गया। इस अवसर पर रामदास चतुर्वेदी शास्त्री और संदीप चौधरी द्वारा सभी अतिथियों का शॉल, दुपट्टा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन वृक्षारोपण के साथ किया गया। कार्यक्रम संचालन प्रचार प्रमुख रामदास चतुर्वेदी शास्त्री ने किया।

कार्यक्रम में ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने संस्कृत भारती द्वारा चलाए जा रहे अभियानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे प्राचीन ग्रंथों को समझने के लिए

भाजपा विधायक ने जलप्लावित क्षेत्र से जल की निकासी को अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

मथुरा (जीएनएस)। जनपद के जलप्लावित क्षेत्र से लोगों को राहत देने के लिए जल की निकासी को प्रशासन ने दिन-रात एक कर रहा है तो वहीं भाजपा नेता भी ग्रामीणों को राहत पहुंचाने में जुटे हुए हैं। जानकारी के अनुसार गोवर्धन से भाजपा विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह ने एसडीएम सदर आईएएस अभिनव जे. जैन के साथ कई स्थानों पर जलभराव का निरीक्षण किया। विधायक गोवर्धन मेघश्याम सिंह, एसडीएम सदर / ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अभिनव जे. जैन, खंड विकास अधिकारी फरह नेहा रावत, सिंचाई विभाग, कृषि विभाग के अधिकारी और नायब तहसीलदार के द्वारा छड़गांव, खेरिया और सेरसा आदि क्षेत्र में जलभराव की निकासी के लिए निरीक्षण किया और ग्रामीणों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने जल निकासी के लिए संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देश दिए। इसी के साथ भाजपा विधायक ने पंप सेट, नालियों की सफाई और पुलिया की खुदाई कराके जल निकासी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रभावित किसानों एवं परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। बताया कि सर्वे के कार्य प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं।

नगर आयुक्त को निरीक्षण में अनुपस्थित मिले कर्मचारी : चार कर्मियों के वेतन काटने और कर्मी को सेवा से हटाने के दिए निर्देश

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व से पहले महानगर की सफाई-व्यवस्था को को बेहतर करने के लिए नगर निगम प्रशासन जुटा हुआ है। जानकारी के अनुसार बुधवार को नगर आयुक्त जग प्रवेश ने महानगर मे स्वच्छता व्यवस्था के लिए जल निकासी, पेचवर्क, नाले-नालियों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण समेत सभी प्रमुख व्यवस्थाओं को सुचारु रखने के लिए सभी वार्ड और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। इसीक्रम में आज नगर आयुक्त जगप्रवेश ने वार्ड संख्या 28 के औरंगाबाद द्वितीय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड में सफाई, पेचवर्क और सफाई कर्मियों की उपस्थिति पंजिका को भी देखा। निरीक्षण के दौरान गोकुल बैराज मोड़ पर रोड़ में गड्ढा पाए जाने पर नगर आयुक्त ने तुरंत समतलीकरण और मरम्मत के निर्देश दिए। वहीं रोड़ किनारे लगे सूखे पेड़ों के लिए उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड में से 4 कर्मचारी अनुपस्थित एवं 1 कर्मचारी तीन माह से लगातार अनुपस्थित पाया गया। नगर आयुक्त ने अनुपस्थित कर्मचारियों पर वेतन काटने और लगातार अनुपस्थित 1 कर्मचारी को सेवा से हटाने के निर्देश दिए गए। इसके बाद उन्होंने वार्ड संख्या 32 के रांची बांगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में टाउनशिप चौराहा समेत आसपास मार्गों पर साफ-सफाई को उच्चकोटि का बनाए रखने के निर्देश दिए। इसी के साथ चौराहे के सौंदर्यीकरण करने के लिए बड़े गमले लगाने और खराब पेंटिंग को सही करने के निर्देश दिए। इस बीच नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए साफ-सफाई, पेचवर्क और प्रमुख स्थानों की सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान नगर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. गोपाल बाबू गर्ग और सफाई निरीक्षक निहाल सिंह उपस्थित रहे।

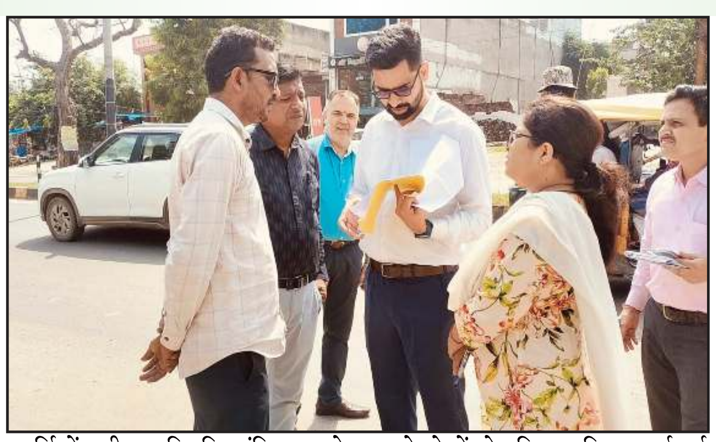

महावन पुलिस ने दबोचा वाहन चोर : चोरी की स्पलेंडर बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना महावन क्षेत्र स्थित जयपुर-बरेली हाईवे के पास से पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी महावन सुधीर कुमार पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि जयपुर-बरेली हाईवे स्थित कुमरगढ़ अंडरपास के निकट एक वाहन चोर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुधीर कुमार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा शातिर वाहन चोर भागने लगा। पुलिस ने भागने का प्रयास कर रहे वाहन चोर सोनू उर्फ हरेन्द्र पुत्र चरन सिंह निवासी बल्देवपुरी धर्मकांटा के पास वीआईपी कॉलोनी थाना हाईवे को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से एक चोरी की स्पलेंडर बाइक बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

श्रीदेवी को पागलों की तरह प्यार करते थे रजनीकांत, प्रपोज करने से कुछ मिनट पहले हो गया था ऐसा कांड

(जीएनएस)।

साउथ फिल्मों के मेगास्टार रजनीकांत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कुली को लेकर सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। लोग बड़ी ही बेसब्री से इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। ये फिल्म आगामी 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सुपरस्टार रजनीकांत का दमदार जलवा

आपको बता दें कि सुपरस्टार रजनीकांत कई दशकों से इंडस्ट्री में अपना जलवा बिखेर रहे हैं। उन्होंने न केवल तमिल सिनेमा में बल्कि तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और हिंदी फिल्मों में भी अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। ीकांत की जोड़ी

रजनीकांत ने कई पॉपुलर एक्ट्रेसेस के साथ काम किया है, लेकिन इंडस्ट्री की खूबसूरत हीरोइनों में से एक श्रीदेवी के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खास पसंद किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक वक्त ऐसा भी आया था जब रजनीकांत अपनी को-एक्ट्रेस श्रीदेवी के प्यार में पागल हो रहे थे।

श्रीदेवी के लिए रजीनकांत के दिल में कुछ खास था

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रजनीकांत को श्रीदेवी के साथ काम करना काफी पसंद था। वह चाहते थे कि उनकी ज्यादातर फिल्मों में श्रीदेवी ही लीड एक्ट्रेस का रोल निभाएं। दरअसल श्रीदेवी के लिए रजीनकांत के दिल में कुछ खास था।

श्रीदेवी को शादी के लिए प्रपोज करने वाले थे रजनीकांत

कुछ रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि रजनीकांत एक्ट्रेस श्रीदेवी के नए घर की हाउसवॉर्मिंग पार्टी में शामिल हुए थे और उन्होंने उसी मौके पर उन्हें शादी के लिए प्रपोज करने का फैसला भी किया था। फिल्ममेकर के बालाचंदर ने एक पुराने इंटरव्यू में रजनीकांत और श्रीदेवी के शादी के प्रपोजल के किस्से का जिक्र भी किया था।

श्रीदेवी को पागलों की तरह प्यार करते थे रजनीकांत

के बालाचंदर ने बताया था कि रजनीकांत अपीन को-एक्ट्रेस श्रीदेवी को लेकर काफी सीरियस थे। वह श्रीदेवी से प्यार करने लगे थे और उनसे शादी करना चाहते थे। जब वह श्रीदेवी के नए घर पर गृह प्रवेश की पूजा के लिए पहुंचे थे तो अचानक बिजली चली गई थी और पूरा घर अंधेरे में डूब गया था।

श्रीदेवी से कभी नहीं कह पाए दिल की बात

उस दिन रजनीकांत को श्रीदेवी को शादी के लिए प्रपोज करना था लेकिन प्रपोजल देने से ठीक पहले ही एक्ट्रेस के घर की लाइट चली गई थी। रजनीकांत ने इस घटना को अपशकुन मानते हुए, अपने दिल की बात कहने का विचार वहीं छोड़ दियाथा। वह बिना कुछ बोले वापस लौट गए थे। इस घटना के बाद उन्होंने कभी भी श्रीदेवी के सामने अपने दिल की बात नहीं कही। दोनों ने हमेशा आपसो में एक सम्मानजनक और सौहार्दपूर्ण रिश्ता बनाए रखा था।

रजनीकांत के लिए श्रीदेवी ने मांगी थी मन्नत

आपको बता दें कि रजनीकांत और श्रीदेवी के बीच हमेशा से ही बहुत अच्छी दोस्ती थी। डेक्कन क्रॉनिकल की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म राणा की शूटिंग के दौरान सुपरस्टार रजनीकांत गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे। उनकी हालत बहुत ही खराब हो गई थी।

श्रीदेवी ने रजनीकांत के लिए रखा था 7 दिन का व्रत

-वहीं श्रीदेवी अपने को-एक्टर रजनीकांत की गंभीर हालत के बारे में सुनकर बेहद परेशान हो गई थीं। ऐसे में श्रीदेवी ने शिरडी साईं बाबा से मन्नत मांगी थी और उनके ठीक होने की प्रार्थना करने के लिए एक सप्ताह तक व्रत रखा था। आपको बता दें कि जब रजनीकांत अपनी गंभीर बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती थे तो श्रीदेवी ने पुणे के साईं बाबा मंदिर में प्रार्थना भी की थी।

-इसके बाद जब रजीनकांत उस गंभीर बीमारी से ठीक हो गए थे तो उसके बाद भी काफी लंबे समय तक श्रीदेवी ने अपने दोस्त रजनीकांत के लिए उपवास रखकर साल में एक बार साईं बाबा के दर्शन के लिए मंदिर जरूर जाती थीं। जानकारी के अनुसार श्रीदेवी ने साल 2018 में अचानक ही इस दुनिया को अलविदा कह दिया था।